हार्दिक बधाई

देश की प्रेस जगत से जुड़े मामलों हेतु गठित सर्वोच्च संस्था प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में भारत सरकार द्वारा दैनिक विश्व परिवार झांसी/रायपुर के संपादक **श्री प्रदीपकुमार जैन** को आगामी 3 वर्षों हेतु सदस्य नामित किया गया है । श्री प्रदीपकुमार जैन समाज के पहले व्यक्ति है जिन्हें प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में प्रथम बार नामित किया गया है । उल्लेखनीय है कि श्री प्रदीपकुमार जी जर्मन में पत्रकारिता का अध्ययन कर विगत 34 वर्षों से रचनात्मक पत्रकारिता में अपना योगदान प्रदान कर रहे है । आपकी नियुक्ति पर गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई ।

भोपाल नगर के बावड़िया स्थित भगवान श्री 1008 वासुपूज्य जिनालय के व्यवस्था कमेटी के निर्विरोध चुनाव में **इंजी. अशोक कुमार जैन (बछौड़ावाले)** का मनोनयन किया गया । आपके चयन पर गोलालारीय समाज, भोपाल व गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई ।

मध्यप्रदेश स्टेट सीनियर ओपन रेटिंग शतरंज स्पर्धा 2018 का आयोजन जबलपुर में गत दिनों हुआ जिसमें इन्दौर शहर के **चिदेश जैन** ने अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्पर्धा में 4था स्थान प्राप्त किया । चिदेश जैन श्री निशांत–रेशू जैन के पुत्र व श्रीमती चंदा–स्व. श्री नरेन्द्र जैन 'सायकिलवालों' के सुपौत्र है ।

प्रणय जैन ने मात्र 11 वर्ष की आयु में लगातार 9 घंटे ड्रम बजाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया जिससे प्राप्त 1 लाख रुपये की राशि नगर के एमवाय अस्पताल को गरीबों के उपचार हेतु भेंट कर दी । छोटी सी उम्र में ही कई विशिष्ट हस्तियों के साथ प्रस्तुति दे चुके है । इनमें प्रमुख है – ज़ीनत अमान, कल्याणजी आनंदजी शाह, बाबुल सुप्रियो, सुरेश वाडेकर, कविता कृष्णमूर्ति, दिलीप सेन, अमन वर्माजी आदि । प्रणय अब तक कई गानों में भी बैकग्राउंड म्यूजिक दे चुके है। अभी हाल ही प्रसिद्ध केकेसी क्लब ने संगीत के क्षेत्र में प्रणय जैन और अन्य 111 राष्ट्रीय प्रतिभाओं को सम्मानित कर विश्व रिकार्ड बनाया । आप संजय–अंजू जैन के सुपुत्र, श्रीमती पुष्पा–स्व. राजेन्द्रकुमार जैन के सुपौत्र है ।

आपके परिवार में किसी भी सदस्य ने सामाजिक, धार्मिक, खेलकूद व अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की हो तो हमें प्रकाशन हेतु भेज सकते है।

बिना जांचे ही सोशल मीडिया पर खबर फॉरवर्ड करना अनुचित : मुनि अभय सागरजी महाराज

"आज तक नहीं अब तक की जितनी खबरें है उसको बिना सत्यता की जाँच किए वाट्सएप्प एवं फेसबुक पर तुरंत देने से आप धर्म को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं बल्कि उपहास में सहायक बन रहे हैं । उपरोक्त उद्गार 108 मुनि श्री अभयसागर महाराज ने अपने प्रवचन सभा में रत्न करंडक श्रावकाचार की वाचना करते हुए अरिहंत विहार जैन मंदिर, विदिशा में व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि जो अज्ञानी हैं एवं उस विषय का ज्ञाता नहीं है यदि उसके सामने किसी भी प्रकार से कोई धर्म की गलत क्रिया रुप समाचार आता है और वह उसकी सत्यता की जांच किए बिना ही तुरंत फारवर्ड कर देता है तो वह व्यक्ति धर्म की हानि ही करता है । उन्होंने कहा कि शारीरिक रुप से कमजोर, अशक्त एवं मंदबुद्धि द्वारा उत्पन्न हुई धर्म की गलत क्रिया को छुपाया जाता है ना कि उसे उजागर किया जाता है । आजकल तो कोई घटना घटी नहीं कि तुरंत वाट्सएप्प या फेसबुक पर अपडेट कर देते है, जो कि नहीं करना चाहिए । यदि कोई अज्ञानी है, शारीरिक रुप से कमजोर है, अशक्त एवं बाल मुनि द्वारा की गई धर्म की गलत क्रिया हैं तो उसको छुपाते हैं, उसकी निंदा नहीं करते है । तीव्र कषाय, कुसंगति, रोग, दरिद्रता, मिथ्योपदेश अथवा दृष्टि के चमत्कारिक भुलावों में आकर जो जीव सम्यक दर्शन या सम्यक चरित्र से विचलित हो जाते हैं अथवा विचलित हो रहे हो तो उन्हें पुन: उसी स्थिति में सुस्थिर, सुदृढ़ करना ही स्थितिकरण अंग कहलाता है । जैसे किसी मरीज की ज्यादा हालत खराब होती है तभी उसे आकस्मिक चिकित्सा हेतु गहन चिकित्सा कक्ष में रखा जाता है । वहां पर किसी को आने की इजाजत नहीं होती हैं क्योंकि अज्ञानता बस क्रियाओं से उस मरीज का नुकसान हो सकता है उसी प्रकार यदि किसी की रत्नत्रय धारी की संलेखना चल रही है और कोई जाकर उसके रत्नत्रय की प्रशंसा न कर उसकी शारीरिक कमजोरियों को प्रगट करता है तो वह उचित नहीं है। इससे वह जीव अपने परिणामों को स्थिर किए था उससे अलग भी हो सकता है । अत: हम सभी को संदेश भेजने के पहले परख लेवें । सिर्फ इस होड़ में न रहे कि यह जानकारी हमने सर्वप्रथम दूसरों को पहुंचाने में सफल रहे है । आचार्यश्री के गत चातुर्मास के समय में भी उन्होंने प्रवचनों में कहा था कि वाट्सएप्प के माध्यम से हमें श्रीजी, आचार्यश्री व मुनिश्री के फोटो नहीं भेजना चाहिये क्योंकि उन्हें डिलीट करने पर पाप का बंध होता है । **संकलन** – अरविंद जैन, विदिशा

आपसे प्राप्त बायोडाटा के लिए हम आपका हृदय से आभार प्रकट करते है । प्राप्त बायोडाटा के आधार पर हमने विवाह विशेषांक का यह अंक आपके हाथों में है । इसमें हमने पूर्ण सावधानी से बायोडाटा प्रकाशित करने की कोशिश की है । हमारी इस कोशिश में यदि कोई त्रुटि रह जाती है तो उसके लिए हमें आपसे हृदय से क्षमाप्रार्थी है । यदि आपके द्वारा भेजे गये बायोडाटा का प्रकाशन इस विशेषांक में नहीं हुआ है तो कृपया संपर्क करें – 9424013136

गोलालारीय दर्शन के 10 वर्ष पूर्ण

गोलालारीय दर्शन पत्रिका को इस अंक के साथ 10 वर्ष पूर्ण हो चुके है । जिसके लिए संपूर्ण गोलालारीय समाज के समस्त सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ । हमारा सतत प्रयास रहता है कि प्रत्येक परिवार को गोलालारीय दर्शन के अंक नियमित रुप से प्राप्त हो । यदि आपको अंक प्राप्त होने में परेशानी हो रही है या पते में सुधार करना हो तो पत्रिका के वाट्सएप्प नं. 9406744064 पर अपना नाम एवं पूर्ण पता व मोबाइल नंबर सहित भेज देवें । यह फोन चर्चा के उपलब्ध नहीं है ।

हमारा समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: करबद्ध निवेदन है कि समाज की एकमात्र पत्रिका "गोलालारीय दर्शन" के शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को नियमित रुप से संचालित करने हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान कर संबल प्रदान करें । गत 10 वर्षों ने उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए प्रतिशाली विद्यार्थी को सम्मानित करने व विवाह विशेषांक के द्वारा संबंधों में सहजता प्रदान करने का कार्य भी किया है ।

* विनम्र श्रद्धांजली *

देवलोकगमन दिनांक
21.09.2018

स्व. श्री हीरालाल जैन (बरवाई वाले)

शोकाकुल परिवार : ज्ञानचंदजी, राजेश कुमार, दीपक कुमार, शिवकुमार एवं समस्त जैन (बरवाई वाला) परिवार

*** अरिहंत ट्रेडिंग कंपनी * दीपक ट्रेडिंग कंपनी, गंजबासौदा**

*** अंकुर ट्रेडिंग कंपनी, भोपाल**

* विनम्र श्रद्धांजली *

* श्री शिखरचंद जैन भंडारी के बड़े भाई व श्री अनिल भंडारी के पिताजी **श्री ज्ञानचंद जैन** का देवलोकगमन दि. 21 जून 2018 को गंजबासौदा में हो गया ।

* **श्रीमती कमलाबाई जैन** धर्मपत्नी श्री कोमलचंद जैन का देवलोकगमन दि. 31 जुलाई 18 को गंजबासौदा में हो गया । आप धार्मिक कार्यों में पूर्ण मनोयोग से सहयोग प्रदान करती थी ।

* ललितपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता **श्री कपूरचंदजी एडव्होकेट** का देवलोकगमन दि. 10 अगस्त 18 को ललितपुर में हो गया । आपने वर्ष 1962 से वकालत प्रारंभ की थी । आप नगर के श्री वर्णी जैन इंटर कॉलेज समिति में 30 वर्षों तक अध्यक्ष रहे व नगर की अन्य सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं में भी आपने अपनी महती भूमिका निर्वाह की ।

* श्री पुष्पेन्द्र जैन व संजय जैन 'लालू' के पिताजी **श्री कोमलचंद जैन कड़ेसरावालों** का देवलोकगमन दि. 21 अगस्त 18 को भोपाल में हो गया । आप सरल हृदय व्यक्तित्व के धनी थे ।

* स्व. श्री गुलाबचंदजी जैन की धर्मपत्नी, श्री विजयकुमार, श्री ज्ञानचंद, श्री अजयकुमार, श्री संजयकुमार जैन की माताजी **श्रीमती कोसादेवी जैन** का देवलोकगमन 31 अगस्त 18 को इन्दौर में हो गया । आपके परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में उनकी देह दान कर चिकित्सा सेवा हेतु अनुकरणीय कार्य किया है । आपकी स्मृति में परिजनों ने श्री गोलालारीय न्यास इन्दौर को 11000/– की धनराशि दान स्वरुप प्रदान की है ।

* स्व. श्री शीलचंदजी जैन (एडवोकेट) की धर्मपत्नी व नवनीत जैन की माताजी **श्रीमती सुधा जैन** का देवलोकगमन 6 सितम्बर 18 को देवास में हो गया । आप अत्यंत सरल स्वभावी, मृदभाषी व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी । आपकी धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रही है ।

* स्व. श्री सुगनचंदजी हुस्नापुर वालों की धर्मपत्नी व श्री प्रकाशचंद व विनोदकुमार जैन की माताजी **श्रीमती सुशीलाबाई जैन** का देवलोकगमन 7 सितम्बर 18 को विदिशा में हो गया । विदिशा में विराजित मुनिश्री अभय सागरजी महाराज के दर्शन व आशीर्वाद लेने के पश्चात सभी परिग्रहों का त्याग कर णमोकार मंत्र का वाचन कर घर लौटते समय देह त्याग कर दिया। आप अत्यंत सरल स्वभावी, मृदभाषी, मिलनसार व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी ।

* **श्री हीरालाल जैन (बरवाई वाले)** का देवलोकगमन 21 सितम्बर 18 को गंजबासौदा में हो गया । आप सामाजिक व धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखते थे । आपने समाज के लिए अनेको अवसरों पर सहयोग प्रदान कर अपने दायित्व का निर्वाह सहर्ष किया ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि ।

नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा ।

विशेष निवेदन – गंजबासौदा के कुछ सदस्यों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि शोक संदेशों के प्रकाशन के लिए "गोलालारीय दर्शन" द्वारा सहयोग राशि मांगी जाती है । हम आपको आश्वस्त करना चाहते है कि उक्त संदेशों का प्रकाशन हमेशा से नि:शुल्क किया जाता है जब तक कि वे विज्ञापन की श्रेणी में न हो ।